

1925

बापपगवपी पेश। इहे वृषी वववीपवपी-
 वार-वार आवोप आववाइ गइ। परर कोइ उपनिषु
 गही हुका। आमापन का समय समाधि वी मई छै
 रुता प्रगवपी - रुदम पेशी - रुदम हाजिरी मेश्वरिण
 वी जगरी ही प्रगवपी के मूल प्रमा (होका जम्भ)
 सि कमही प्रगवपी हाखिजे वपर ही।

२००
 उपखण्डाधिकारी
 काशी (धौलपुर) राज